



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11]
No. 11]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 22, 1997/भाघ 2, 1918
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 22, 1997/MAGHA 2, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 395 (पी. एन.)/92—97

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1997

विषय :—प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-2, 1992—97—मानक निविष्टि—उत्पादन, मूल्य संवर्धन मानदण्डों का निर्धारण और संशोधन तथा संवेदनशील मदों के व्यौर ।

फा. सं. 6/93/93-आई पी सी-2 :—उपर्युक्त विषय पर प्रक्रिया पुस्तक, 1992—97 खण्ड—1 (संशोधित संस्करण : अप्रैल, 1996) के पैरा 109क, 109ख और 109ग तथा प्रक्रिया पुस्तक, 1992—97-खण्ड-2 (संशोधित संस्करण : मार्च 1996) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

2. मानक निविष्टि उत्पादन और मूल्य संवर्धन के विवरण में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं :—

क्रम सं.	पृष्ठ सं.	संदर्भ	संशोधन/शुद्धियां
1	2	3	4
1	863 और 864	प्लास्टिक उत्पाद क्रम सं. 22 लिखने के सभी प्रकार के उपकरण (उपहार सेटों और रिफिलों/निबों सहित)	1. मूल्य संवर्धन को संशोधित करके "60%" पढ़ा जाएगा । 2. इन मानदण्डों के नीचे दी गई टिप्पणियों को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— "टिप्पणी—1 जबकि सहायक सामान सहित उपकरणों के आयात के लिए लाइसेंस के सम्पूर्ण मूल्य का उपयोग किया जा सकता है, किन्तु कच्चे माल के आयात के लिए लाइसेंस के केवल 25% लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का ही उपयोग किया जा सकेगा ।

1	2	3	4
			टिप्पणी—5 निर्यात आयात नीति और प्रक्रिया पुस्तक के अधीन दी गई व्यवस्था के तहत अग्रिम लाइसेंस की हस्तांतरणीयता की सुविधा और इसके अधीन आयातित सामग्री को ध्यान में रखे बिना उपर्युक्त मानदण्डों को अपनाये जाने के मामले में, ऐसी सुविधा वास्तविक प्रयोक्ता शर्त सहित केवल लिखाई उपकरणों के विनिर्माताओं को दी जाएगी। हस्तांतरणीयता की सह सुविधा लिखने की स्याही के विनिर्माताओं को भी उपलब्ध होगी, किन्तु यह सुविधा केवल वास्तविक प्रयोक्ता शर्त सहित कच्चे माल की सूची में मद सं. 1 और 2 के लिए ही उपलब्ध होगी।”

3. निर्यात आयात नीति, 1992-97 के पैरा 66 में दिए गए उपबन्ध में ढील देते हुए, उपर्युक्त संशोधन, अग्रिम लाइसेंस जारी करने के लम्बित आवेदनों तथा जिनके तहत पहले ही निर्यात किया जा चुका है, पर भी लागू होंगे बशर्ते इस बारे में आवेदक द्वारा अनुरोध किया गया हो।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एस. बी. महापात्र, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 395(PN)/92—97

New Delhi, the 22nd January, 1997

SUBJECT : Handbook of Procedures, Vol. 2, 1992-97—Fixation and Modification of Standard Input-Output, Value Addition Norms and Details of Sensitive Items.

F. No. 6/93/93-IPC II :—Attention is invited to Para. 109A, 109B and 109C of Handbook of Procedures, 1992—97—Vol. 1 (Revised Edition : April 1996) and Handbook of procedures, 1992—97—Vol. 2 (Revised Edition : March 1996) on the above subject.

2. In the statement of Standard Input output and Value Addition Norms, the following amendments shall be made :—

Sl. No.	Page No.	Reference	Amendments/Corrections
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	863 to 864	Plastic Products Sl. No. 22 All Kinds of writing instru- ments (including gift sets and refills/nibs)	1. The value addition shall be amended to read as “60%”. 2. Notes 1 & 5 below these norms shall be substituted by the following :— “Note. 1 While the entire value of the licence can be utilized for import of components including accessories, only 25% of the CIF value of the licence can be utilized for import of raw materials.

(1)	(2)	(3)	(4)
		<p>Note. 5 Irrespective of the facilities of transferability of Advance licence and materials imported thereagainst provided under the EXIM Policy and Hand Book of Procedures, in case of adoption of the above norms such facility will be confirmed only amongst the writing instruments manufacturers with Actual User Condition. The facility of transferability shall also be available to writing ink manufacturers, but this will be restricted only to item Nos. 1&2 in the list of raw materials with Actual User Condition."</p>	

3. In relaxation of the provision contained in Para 66 of the EXIM Policy, 1992—97, the above amendments shall also be applicable on pending applications for issue of advance licences and against which exports have already been completed, provided a specific request is made by the applicant.

This issues in public interest.

S. B. MOHAPATRA, *s* Director General of Foreign Trade

